बडलियास में अवैध बजरी भरे छह ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त, बजरी माफ़िया में हड़कंप

सिफारिश के लिए बजरी माफिया के गुर्गे थाने के बाहर जमा हुए

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ डीएसपी बाबूलाल विश्नोई ने बडलियास थाना क्षेत्र में बजरी माफ़िया पर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बनास नदी से अवैध बजरी खनन कर परिवहन करते 6 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मच गया और बजरी माफ़िया के गुर्गे बडलियास थाने के बाहर सिफारिश के लिए जमा हो गये, लेकिन सफलता नहीं मिली।

पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव के आदेशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देशन में सूचना के आधार पर जीवाखेड़ा, दोवनी गांव के पास बनास नदी में पुलिस टीम के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान बनास नदी से अवैध खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बजरी भरकर बेड़च नदी की ओर ले जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने पीछा कर बेड़च नदी की पुलिया के पास छह ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवाकर कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि बडलियास और निकट में चित्तौड़गढ़ जिले के बड़ाखेड़ा की दूरी महज 2 किलोमीटर होने और दो जिलों की सीमा का मामला होने से बड़ाखेड़ा में हजारों टन बजरी के अवैध स्टॉक लगा रखे हैं। बड़ाखेड़ा में बजरी स्टॉक से सैकड़ों ट्रेलर, डम्पर में बजरी लोडिंग किया जाता है, जो चित्तौड़गढ़ जिले सहित मध्यप्रदेश तक माफ़िया गिरोह बजरी सप्लाई करता है।

पुलिस के मुताबिक जब्त बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बिना नम्बरी हैं, जब्त किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के साथ खनिज और परिवहन विभाग को भी कार्रवाई के लिए सूचित किया गया है। बडलियास थाना क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि बजरी माफ़िया जीवाखेड़ा, दोवनी के पास बनास नदी में बेख़ौफ़ होकर अवैध बजरी खनन कर रहा हैं, रोजाना बजरी भरी सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली बड़ाखेड़ा (चित्तौड़गढ़) जिले ले जाई जा रही हैं, लेकिन बड़ाखेड़ा के स्टॉक पर खनिज विभाग न पुलिस कार्रवाई करती हैं।

मांडलगढ़ के बडलियास थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध बजरी भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया।

- जीवाखेड़ा, दोवनी गांव के पास बनास नदी में पुलिस टीम के साथ सर्च ऑपरेशन में कार्रवाई की

एक पिस्टल, पांच कारतूस सहित एक जना गिरफ्तार

आरोपी के विरुद्ध पूर्व में पुलिस थाना किशनगंज में डकैती की योजना व एनडीपीएस के प्रकरण दर्ज हैं

पुष्कर पुलिस ने एक व्यक्ति को पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया।

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में राजस्थान पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान में पुष्कर पुलिस ने गुरुवार को एक व्यक्ति को पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है।

सीआई विक्रम सिंह ने बताया कि उप महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज ओमप्रकाश के निर्देशानुसार जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ठाामीण दीपक कुमार,सीओ ग्रामीण रामचंद्र चौधरी अजमेर के सुपरविजन में पुष्कर थाना क्षेत्र के थाना अधिकारी विक्रम सिंह द्वारा टीम का गठन कर अवैध हथियार के विरुद्ध कार्रवाई हेतु अभियान चलाया गया। इसी क्रम में 28 मई को आर्म्स एक्ट के तहत जिला स्पेशल टीम के सीताराम कसाना रामनिवास के जरिए मुखबिर द्वारा सूचना मिलने पर संदिग्ध जालम सिंह पुत्र गुमान सिंह रावणा निवासी ढेर बांसेली पुलिस थाना पुष्कर जिला अजमेर को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में पुलिस थाना किशनगंज में डकैती की योजना व एनडीपीएस के प्रकरण दर्ज है। इसके अलावा पुलिस थाना मांगलियावास में डकैती की योजना व आर्म्स एक्ट के प्रकरण दर्ज है तथा पूर्व में आर्म्स एक्ट में अभियुक्त जालम सिंह के पास एक पिस्टल वह दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। 28 मई को देवनगर रोड चित्रकूट धाम के पास सरकारी पानी की टंकी के पास अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना विश्वसनीय होने पर सूचना से पुलिस व जिला स्पेशल टीम ने त्वरित कार्यवाही करत हुए सूचना के आधार पर मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति जालम सिंह पुत्र गुमान सिंह की तलाशी ली गई तलाशी के दौरान अभियुक्त के पास एक पिस्टल मय पांच कारतूस जिंदा मिले। उक्त हथियार के लाइसेंस के संबंध में पूछा गया तो लाइसेंस नहीं होना बताया तो अभियुक्त को मौके पर गिरफ्तार कर मौके पर अवैध हथियार जब्ती की कार्रवाई की गई तथा आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया।

गांजा तस्कर की 2.1 की करोड़ संपत्ति फ्रीज

आरोपी की अब तक 2.29 करोड़ की संपत्ति फ्रीज हुई

जोधपुर, (कासं)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो जोधपुर इकाई ने नशा (गांजा) तस्करी पर अंकुश लगाते हुए एक तस्कर की 2.1 करोड़ की संपत्ति को फ्रीज किया है। नशा तस्करी पर एनसीबी की तरफ से आर्थिक प्रहार किया गया है। उसकी अब तक 2.29 करोड़ की संपत्ति को फ्रीज किया जा चुका है। आरोपी द्वारा छह वाहनों को खरीद नशा कारोबार से की गई। उसके छह वाहनों को जब्त किया गया है।

जोनल के डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जोधपुर क्षेत्रीय इकाई द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त एक कुख्यात गांजा तस्कर की 2,01,49,768 मूल्य की संपत्ति जब्त कर एक उपलब्धि हासिल की गई है। यह कार्रवाई विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू की गई थी। त्वरित एवं सुनियोजित कार्रवाई करते हुए एनसीबी की टीम ने एक बोलेरो पिकअप को मोगड़ा से गुड़ा विश्नोई की ओर जाते हुए रोका। तलाशी के दौरान वाहन के पिछले हिस्से में तिरपाल के नीचे छिपाए गए 71 पैकेट गांजा बरामद किए गए थे। बाद में अभियुक्त के निवास स्थान पर की गई छापेमारी में 99 पैकेट गांजा और बरामद किए गए। कुल 866.600 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। नशा तस्करी के आरोपी ने अवैध राशि से छह वाहनों की खरीद की थी जिसमें एक जेसीबी, एक भारी वाहन, तीन टाटा ट्रक सिंघना और एक बाइक है। इन छह वाहनों का बाजार मूल्य 2,01,49,768 आँका गया है, जिसे अवैध कारोबार से अर्जित बताया गया। जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि अभी तक इस प्रकरण में कुल 2 करोड़ 29 लाख की अवैध संपत्ति की जब्ती की जा चुकी है।

नाबालिग से कुकर्म, आबकारी कॉन्स्टेबल गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। 16 वर्षीय नाबालिग के साथ कुकर्म के मामले में आबकारी विभाग के कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी प्रताप सिंह (58) को पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कौशिक ने पॉक्सो कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

घटना सोमवार रात करीब नौ बजे आबकारी कार्यालय में हुई। पीड़ित किशोर ने आबकारी कार्यालय के दो कर्मचारियों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने मौके का निरीक्षण किया। पीड़ित के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया। डीएसपी कौशिक ने पीड़ित और आरोपी से पूछताछ की। पूछताछ में मुख्य आरोपी प्रताप सिंह ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी चूरू जिले के ढाढर गांव का रहने वाला है। वह सेना में 16 साल की सेवा के बाद 2012 से अनूपगढ़ आबकारी निरोधक दल में कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत था।

चोरी की वारदात का खुलासा, तीन गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के ग्राम लाडाकाबास की ढाणी खेड़ी में गत दिनों रहवासी घर में चोरी के मामले में प्रागपुरा थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गत 20 मई को रात घर के चौक में सो रही महिला के साथ अज्ञात चोरों ने लूटपाट की। रात करीब 12.55 बजे दो अज्ञात बदमाश घर में घुस कर महिला के गले से सोने का ताबीज और नाक की नथ तोड़कर ले गए थे। पीड़ित महिला श्रवण देवी के पुत्र प्रकाश ने सुबह पुलिस थाना प्रागपुरा ने मामला दर्ज करवाया। पीड़िता श्रवण देवी (24) उमराव गुर्जर निवासी ग्राम पंचायत लाडाकाबास की ढाणी खेड़ी की पावर ग्रिड के पास थाना प्रागपुरा सोमवार रात पूरे परिवार के सोने के बाद रात 12.55 बजे दो बदमाश मकान का मुख्य द्वार खोलकर घर में घुस गए और चौक में सो रही श्रवण देवी के साथ लूटपाट कर दी। वारदात का खुलासा करते हुए मनोज उर्फ राकेश उर्फ गुल्या मुकेश कुमार उर्फ लक्की पुत्र रामावतार उर्फ धर्मपाल बावरिया, रॉकी उर्फ आदेश को गिरफ्तार किया।

अचानक आई बारिश के बाद किसान फिर से खेतों में जुटे, उन्नत बीजों की भारी मांग

ओलावृष्टि के जख्म अभी भरे नहीं, लेकिन जेठ माह की वर्षा ने किसानों में नई उम्मीद जगा दी

सादुलपुर, (निसं)। जेठ के इस तपते महीने में आई अचानक बारिश ने जैसे खेतों में फिर से जीवन भर दिया। किसानों के सूने चेहरे फिर से खिल उठे हैं। जिन खेतों को मार्च में खाली छोड़ दिया गया था, वे अब फिर से तैयार हो चुके हैं।

- राजस्थान में ऊंटों की घटती संख्या चिंता का विषय बनती जा रही है, वहीं जसवंतपुरा के किसान ऊंट से अपने खेत की बीजाई में जुटे हैं

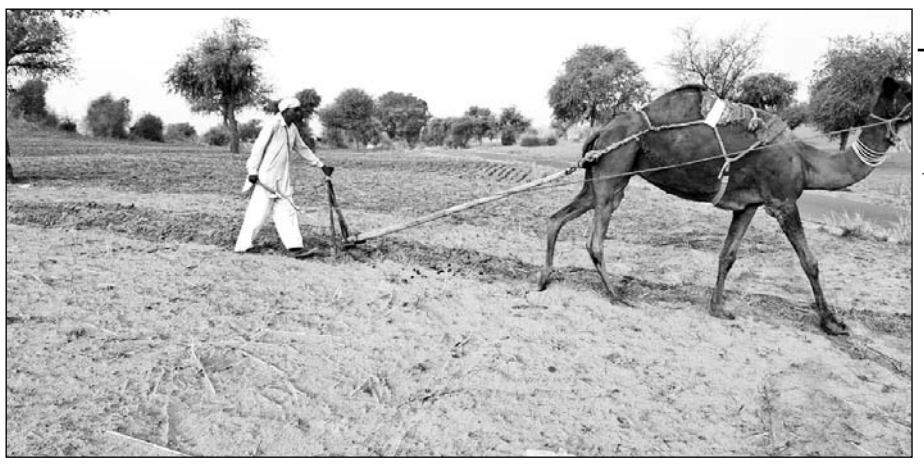

बरसात के चलते नीमा गांव की रोही में ऊंट से खेत के बिजाई करता किसान।

जानकारी के अनुसार किसान न केवल फिर से सक्रिय हो गए हैं, बल्कि इस बार उन्नत किस्म के बीजों की खरीदारी में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। जो सरसों गई, वो गई... अब इस बार मोटा अनाज ही उम्मीद है। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2025 की वो शाम जब आसमान से ओले बरसे थे, आज भी गांवों के किसानों के मन में ताजे हैं। सरसों की तैयार खड़ी फसल को ओलावृष्टि ने ऐसा मारा कि न केवल दाना चौपट हुआ, बल्कि किसान का हौसला भी टूट गया था। खेतों में खामोशी छा गई थी, और हर आंख मुआवजे की आस में टिकी थी जो अब तक पूरी नहीं हुई है।

ऊंट की वापसी बनी चर्चा का विषय:- राजस्थान में ऊंटों की घटती संख्या चिंता का विषय बनती जा रही है। जसवंतपुरा के किसान अर्जुन लाल प्रजापत ने ऊंट से अपने खेत की बीजाई में जुटे हैं। वे बताते हैं कि उनके पिता और दादा भी ऊंट से ही खेत तैयार करते थे, और आज भी यह परंपरा जिंदा है।

खेतों में फिर से जान, बाजारों में बीज की धूम :- नीमा की कृषि दुकानों पर पिछले दो दिनों से किसानों की भीड़ लगी हुई है। विशेष रूप से हाइब्रिड बाजरा, रिसर्च बीज की मांग बढ़ी है। किसान मानते हैं कि यदि वर्षा इसी तरह साथ देती रही, तो पिछली हानि की कुछ भरपाई इस खरीफ से की जा सकती है। एक तरफ ओलावृष्टि की पीड़ा अब भी किसानों के मन में है, दूसरी ओर जेठ माह की बारिश ने उन्हें नई ऊर्जा दी है। अगर अब सरकार समय पर बीज, मुआवजा और तकनीकी सहयोग दे, तो किसान फिर से उभर सकते हैं।

बहन-बहनोई पर 54 लाख की एफडी हड़पने का आरोप

अजमेर, (कासं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे को लेकर भाई-बहन के बीच विवाद गहरा गया है। भाई ने अपनी बहन व बहनोई पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते लगाते हुए मां की एफडी से उसका हिस्सा दिए बिना 54 लाख रुपए हड़पने का मुकदमा कोर्ट के माध्यम से थाने में दर्ज कराया है। मामले में कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी, विश्वासघात एवं आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया

जौसगंज निवासी मुकेश शर्मा ने अपनी सगी बहन चारुल शर्मा और बहनोई बृजेश शर्मा पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए 54 लाख रुपए की एफडी हड़पने का मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित मुकेश के अनुसार उसकी मां पदमा शर्मा ने एसबीआई बैंक जेएलएनएच शाखा में 54 लाख रुपए की एफडी करवाई थी। इस एफडी में शुरुआत में मुकेश को नॉमिनी बनाया गया था, लेकिन बाद में उसकी बहन चारुल ने कथित रूप से धोखे से मां की इच्छा के विरुद्ध नाम बदलवाकर स्वयं को नॉमिनी बनवा लिया। आरोप है कि मुकेश को नॉमिनेशन परिवर्तन की जानकारी तक नहीं दी गई और मां की मृत्यु के बाद चारुल शर्मा व उसके पति ने एफडी की पूरी रकम अपने खाते में स्थानांतरित करवा ली। मुकेश का कहना है कि संपत्ति का कोई वसीयतनामा नहीं था, ऐसे में सभी कानूनी उत्तराधिकारियों का बराबर का हक बनता है। अगस्त 2024 में जब मुकेश ने अपने हिस्से की रकम की मांग की, तो बहन-बहनोई ने दीपावली के बाद राशि देने का आश्वासन दिया। लेकिन 6 जनवरी 2025 को दोबारा मांग करने पर भी रकम नहीं दी गई। पीड़ित का आरोप है कि अब आरोपी रकम खुद हड़पकर विदेश भागने की फिराक में हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब बैंक से एफडी से संबंधित दस्तावेज, नॉमिनेशन परिवर्तन के प्रमाण एवं खातों का ब्योरा तलब कर रही है। वहीं दोनों पक्षों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

मानसून पूर्व आनासागर झील के गेट आज खुलेंगे

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले में मानसून सक्रिय से पूर्व जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आनासागर झील के पानी का जलस्तर 13 फीट से घटाकर 10 फीट करने के लिए शुक्रवार सुबह 10 बजे झील के गेट खोले जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा आगामी दिनों में मानसून में भारी बारिश के मद्देनजर झील में सहित आस-पास की कॉलोनियों में जलभराव की समस्या से बचाव के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में जिला प्रशासन, नगर निगम, सिंचाई विभाग और एडीए के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में फैसला लिया गया कि झील के डाउन स्ट्रीम क्षेत्रों में बसे निवासियों को जल निकासी की पूर्व सूचना देने के लिए नगर निगम को मुनादी कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बारिश के दौरान पानी की अधिक आवक होने की स्थिति में नगर निगम एवं अजमेर विकास प्राधिकरण को सुरक्षा गार्ड की विशेष व्यवस्था करने के आदेश दिए गए हैं। झील के गेट संचालन की जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग को सौंपी गई है। गौरतलब है कि शहर के अधिकांश नालों का पानी सीधे आनासागर झील में पहुंचता है, जिससे पूरे वर्ष जलस्तर 13 फीट के आसपास बना रहता है। मानसून में तेज बारिश होने पर झील के किनारे बसी कॉलोनियों में पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। पिछले वर्ष भी गेट खोलकर पानी की निकासी की गई थी।

- प्रशासन ने जलस्तर 13 फीट से घटाकर 10 फीट करने का निर्णय लिया

इनामी बदमाश गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले में वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर टीम जोधपुर ग्रामीण ने एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसपी ग्रामीण राममूर्ति जोशी ने बताया कि बिलाड़ा थाने में पिछले सात साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश रवि उर्फ रविंद्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी तिलवासनी का रहने वाला है और रामस्वरूप उर्फ मेहताराम का पुत्र है। पकड़े गए बदमाश को अठिाम अनुसंधान के लिए बिलाड़ा थाने को सौंप दिया गया है। गिरफ्तारी में साइबर टीम के कॉन्स्टेबल रामचंद्र सिंह, पुखराज, सेठाराम, किशोर दुकतावा और प्रकाशचंद्र शामिल रहे। जिला पुलिस अधीक्षक ने टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

संस्कार और संस्कृति से ही संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और भविष्य सुरक्षित : राज्यपाल बागड़े

''विधानसभा कल, आज और कल'' विषय पर मेवाड़ से संबद्ध विधानसभा अध्यक्ष समागम कार्यशाला आयोजित

उदयपुर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं। मर्यादाओं में निसंदेह कुछ गिरावट आई हैं, लेकिन हमारे संस्कार और संस्कृति इतनी समृद्ध है कि संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और भविष्य दोनों सुरक्षित है। राज्यपाल बागड़े गुरूवार को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के तत्वावधान में एक होटल में आयोजित ''विधानसभा कल, आज और कल'' विषयक मेवाड़ से संबद्ध विधानसभा अध्यक्ष समागम कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने की। पूर्व अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, शांतिलाल चपलोत और डॉ. सीपी जोशी बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे।

समारोह को संबाधित करजे हुये राज्यपाल बागड़े ने कहा कि पहले सदन में विषय पर अधिक चर्चा होती थी, अब विषयान्तर अधिक होने लगी है। विधेयक पर बहस में जनप्रतिनिधि रूचि से भाग नहीं लेते, जबकि उस पर तथ्यात्मक बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन में अलग-अलग विचारधारा के लोग होते हैं, इसके बावजूद पहले उनमें आपस में एक दूसरे के प्रति सम्मान भाग होते थे, लेकिन अब कटुता अधिक रहती है। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजनीतिक विचारधारा भले ही अलग हो, लेकिन सभी जनप्रतिनिधियों का ध्येय जन कल्याण पर केंद्रित होना चाहिए। बागड़े ने कहा कि राजस्थान में विधानसभा संचालन उत्कृष्ट रूप से हो रहा है। कार्यक्रम में उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, महाराणा प्रताप कृषि एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. अजीत कर्नाटक, जनार्दन राय नागर विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. एसएस सांरगदेवोत, पूर्व कुलपति डॉ. आई वी त्रिवेदी सहित शिक्षाजगत से जुड़े कई प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। अंत में आभार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र की निदेशक रश्मि बोहरा ने व्यक्त किया।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा आज देश के सभी राज्यों के सदनों में सर्वश्रेष्ठ हैं। विधानसभा की कार्यवाही को यूट्यूब चैनल के माध्यम से प्रदेश की 8 करोड़ जनता सीधे देख सकती है। इससे सदस्यों के आचरण व व्यवहार में सुधार आएगा तथा पारदर्शिता भी कायम हो रही है। राजस्थान विधानसभा पेपरलैस हो रही है। सभी विधायकों को आईपैड दिए हैं तथा पहली बार में ही 70 प्रतिशत से अधिक विधायकों ने इसका उपयोग करते हुए पेपरलैस वर्क को अपनाया। देवनानी ने कहा कि सदन का अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए पीठासीन अधिकारी को सख्त होना पड़ता है, लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं कि आसन पर ही सवाल उठाए जाने लगें। उन्होंने पीठासीन अधिकारी की तुलना मां से करते हुए कहा कि जिस प्रकार मां बच्चे की हरकतों से परेशान होकर उसे घर से चले जाने के लिए कह देती हैं, लेकिन उसके वापस नहीं लौटते तक उसके गले से निवाला नहीं उतरता है, ऐसा ही आसन के साथ भी है। सदन के सभी सदस्य उसका परिवार है, इसलिए सदस्य को वापस बुलाया जाता है, उसके लिए पक्ष-विपक्ष दोनों से चर्चा की जाती है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि समय के साथ सभी चीजों में बदलाव हुआ है। सकारात्मक बदलावों का स्वागत है, लेकिन विधेयक पर स्वस्थ चर्चा में कमी आना ठीक नहीं है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की अवधारणा प्राचीनकाल से चली आ रही है। भगवान श्री राम का दौर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। भगवान ऋषभदेव, महावीर स्वामी के दौर में भी यही व्यवस्था थी। वर्तमान संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली में विधायिका महत्वपूर्ण घटक है। यह विधान निर्माण के साथ ही कार्यपालिका के कामकाज को भी नियंत्रित करती है। पहले के दौर में विधायिका का माहौल देखने योग्य था, अब इसमें गिरावट आई है। विधायी कार्यों में भी कमी आई है। जनप्रतिनिधियों के आचारण में गिरावट आई है। जनप्रतिनिधि रिश्वत लेते पकड़े जा रहे हैं, यह दौर कहां ले जाएगा यह सोचने वाली बात है। चपलोत ने राजस्थान में द्विसदनीय व्यवस्था पर भी जोर दिया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना से बात प्रारंभ करते हुए कहा कि संसदीय लोकतंत्र की मूल भावना प्रस्तावना में निहित है।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के तत्वावधान में एक होटल में आयोजित कार्यशाला को राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया।

- राजस्थान विधानसभा आज देश के सभी राज्यों के सदनों में सर्वश्रेष्ठ हैं : देवनानी